परमेश्वर का राज्य प्रशिक्षण सेमिनार

सत्र एक

सफलता का रहस्य

दाखलता को याद रखें। यीशु के जीवित जल में से प्रतिदिन पिएँ और अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपने स्वर्गिक पिता की इच्छा के प्रति समर्पित रहें।

परमेश्वर की योजना

परमेश्वर की योजना: सब वस्तुओं को मसीह में उसके शासन तथा राज्य की अधीनता में एकत्र करना। **इफिसियों 1:9-10**

परमेश्वर जानता था कि अब्राहाम अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य देगा। **उत्पत्ति 18:19** यीशु ने अपने शिष्यों को अधिकार दिया ताकि वे जाकर दूसरों को "शिष्य बनाएँ"। **मत्ती 28:18-20** परमेश्वर की रणनीति बच्चों के माध्यम से काम करना है। परमेश्वर को तथा उन लोगों को, जिनमें आप सेवाकार्य कर रहे हैं, जानने से शिष्यता का आरम्भ हो जाता है।

सीखें > जानें > बताएँ > सेवा करें > सीखें > जानें > बताएँ > सेवा करें

सीखने के तरीके

सीखने के तीन तरीके कौन से हैं?

1_____2_____3_____

कौन से तरीके से अधिकतर लोग सर्वोत्तम सीखते हैं?

_____

बच्चों को इसमें शामिल करने के तरीके

सीखने में आप बच्चों को कैसे शामिल करते हैं?

*1*_____*2*_____

*3*_____*4*_____

*5*_____*6*_____

*7*_____*8*_____

*9*_____*10*_____

*11*_____*12*_____

*13*_____*14*_____

समूह में सहभागिता की तकनीकें

अंक खेल के नोट्स

_____

_____

दस बीज

यह तकनीक सभी को बराबर का अवसर प्रदान करती है। यह तकनीक समूह में काम करने के कौशल को विकसित करती है तथा हमारे बारे में बहुत कुछ प्रकट करती है और एक दूसरे को बेहतर रीति से समझने में सहायता करती है। अक्सर जैसा नज़रिया हमारा अपने प्रति होता है दूसरे लोग हमसे वैसा ही बर्ताव करते हैं।

इस अभ्यास से आपने अपने बारे में क्या सीखा?

_____

_____

_____

इस अभ्यास से आपने दूसरों के बारे में क्या सीखा?

_____

_____

_____

कुछ व्यावहारिक तरीके बताएँ कि जो लोग अपने आप को बेकार समझते हैं उन्हें यह कैसे समझाया जाए कि वे परमेश्वर की दृष्टि में अनमोल हैं?

_____

_____

_____

इस अभ्यास में ऐसे कौन से अतिरिक्त प्रश्न हो सकते हैं जिनका उपयोग करके आप बच्चों तथा उनके परिवारजनों की सहायता कर सकते हैं कि वे स्वयं को यीशु की आँखों से देखें?

_____

_____

_____

चार कार्ड

यह तकनीक प्रत्येक व्यक्ति को यह अवसर देती है कि वह एक सुरक्षित परिवेश में अपने आप को अभिव्यक्त करे।

ये चार कार्ड किस का प्रतीक हैं?

1 _____ 2 _____

3 _____ 4 _____

इन तकनीकों का उपयोग आप उस सेवाकार्य में कैसे कर सकते हैं जिसमें परमेश्वर ने आपको बुलाया है?

_____

_____

विकास के विभिन्न चरण

जो विकास के चरण 1 में हैं उन्हें आप परमेश्वर के बारे में ऐसा क्या सिखा सकते हैं, जिन्हें वे समझ पाएँ?

_____

_____

_____

जो विकास के चरण 2 में हैं उन्हें आप परमेश्वर के बारे में ऐसा क्या सिखा सकते हैं, जिन्हें वे समझ पाएँ?

_____

_____

_____

जो विकास के चरण 3 में हैं उन्हें आप परमेश्वर के बारे में ऐसा क्या सिखा सकते हैं, जिन्हें वे समझ पाएँ?

_____

_____

_____

विकास के चरण 4 में आप बच्चों को परमेश्वर के बारे में ऐसा क्या सिखा सकते हैं जिसे वे समझ जाएँ?

_____

_____

_____

प्रत्येक पाठ में क्या शामिल करें

सभी लोग एक शिक्षण बिन्दु का उपयोग करके सर्वोत्तम सीखते हैं।

सभी लोग दोहराने, दोहराने और दोहराने से सीखते हैं।

एक पाठ में आप क्या-क्या शामिल कर सकते हैं?

_____

_____

_____

_____

_____

_____

एक शिक्षण बिन्दु

मरकुस 4:35-41 पढ़ें। इस बाइबल घटना में से कौन सा एक ऐसा शिक्षण बिन्दु है जिसे आप सिखा सकते हैं?

_____

इस शिक्षण बिन्दु को कौन सा विकास चरण समझ पाएगा? _____

लूका 15:11-32 पढ़ें। इस बाइबल घटना में से कौन सा एक ऐसा शिक्षण बिन्दु है जिसे आप सिखा सकते हैं?

_____

इस शिक्षण बिन्दु को कौन सा विकास चरण समझ पाएगा? _____

लूका 8:40-56 पढ़ें। इस बाइबल घटना में से कौन सा एक ऐसा शिक्षण बिन्दु है जिसे आप सिखा सकते हैं?

_____

इस शिक्षण बिन्दु को कौन सा विकास चरण समझ पाएगा? _____

लूका 9:10-17 पढ़ें। इस बाइबल घटना में से कौन सा एक ऐसा शिक्षण बिन्दु है जिसे आप सिखा सकते हैं?

_____

इस शिक्षण बिन्दु को कौन सा विकास चरण समझ पाएगा? _____

लूका 15:1-7 पढ़ें। इस बाइबल घटना में से कौन सा एक ऐसा शिक्षण बिन्दु है जिसे आप सिखा सकते हैं?

_____

इस शिक्षण बिन्दु को कौन सा विकास चरण समझ पाएगा? _____

मरकुस 5:1-20 पढ़ें। इस बाइबल घटना में से कौन सा एक ऐसा शिक्षण बिन्दु है जिसे आप सिखा सकते हैं?

_____

इस शिक्षण बिन्दु को कौन सा विकास चरण समझ पाएगा? _____

बाइबल के वचनों की व्याख्या कैसे करें

जब हम कुछ सीखना चाहते हैं तो हम कौन से 6 प्रश्न पूछते हैं?

1_____**2**_____**3**_____**4**_____

5_____**6**_____

मत्ती 7:15-23 पढ़ें। कौन बोल रहा है? _____

वह किससे बोल रहा है? (मत्ती 5:1 पढ़ें) _____

वह किसके बारे में बोल रहा है? _____

यह सब कहाँ और कब घटित हुआ? _____

लेखन शैली कैसी है? _____

किरदार आपस में कैसे बातचीत करते हैं? _____

यह क्यों लिखा गया था? _____

यीशु प्रेम करता है: संसार से

विकास चरण एक	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	खेल खेलने और देखने, स्पर्श करने और सूँघने के द्वारा सीखते हैं। एक काम पर एक समय में 4 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं। सत्य को कल्पित कथाओं से अलग नहीं कर सकते।	दोहराएँ। एक-एक कदम करके निर्देशन दें। केवल वही समझ सकते हैं जिन्हें वे देख सकते हैं, स्पर्श कर सकते हैं या सूँघ सकते हैं। एक गतिविधि से दूसरी पर जाने की स्वतन्त्रता दें। प्रत्येक 4 मिनट के बाद विश्राम करने, खड़े होने, उछलने-कूदने और फिर बैठने का समय दें।
शारीरिक	आसानी से थक जाते हैं। बड़ी माँसपेशियों को नियन्त्रित करना सीखते हैं।	गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें।
भावात्मक	वयस्कों को प्रसन्न करना चाहते हैं। बहुत अधिक एकाग्रता की आवश्यकता पड़ती है।	एक-एक करके व्यक्तिगत समय दें। सराहना और प्रोत्साहन दें। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	अचम्भे और विस्मय का अनुभव करते हैं। भरोसा रखते हैं।	परमेश्वर की सृष्टि के उदाहरण दें।

विकास चरण दो	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	खेल खेलने और देखने, स्पर्श करने और सूँघने के द्वारा सीखते हैं। एक काम पर एक समय में 10 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं। सत्य को कल्पित कथाओं से अलग करना प्रारम्भ करते हैं। कल्पनाशील होते हैं। जानना और सीखना चाहते हैं।	दोहराएँ। स्वयं करने और खोज निकालने के द्वारा सीखते हैं। केवल वही समझ सकते हैं जिन्हें वे देख सकते हैं, स्पर्श कर सकते हैं या सूँघ सकते हैं। प्रत्येक 10 मिनट के बाद गतिविधि बदलें। सिखाएँ कि बाइबल में दर्ज घटनाएँ सचमुच हुई हैं, वे कल्पित कथाएँ नहीं हैं। ऐसे वयस्क बनें जो परमेश्वर के प्रेम का आदर्श हों।
शारीरिक	आसानी से थक जाते हैं। छोटी माँसपेशियों को नियन्त्रित करना सीखते हैं।	नए कौशलों का अभ्यास करने के अवसर दें। गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें।
भावात्मक	डरते हैं और भावुक होते हैं। ध्यान चाहते हैं	सुरक्षित और मज़ेदार माहौल तैयार करें, ऐसी मज़ेदार गतिविधियाँ करवाएँ जिन्हें आसानी से किया जा सके। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	आज्ञाउल्लंघन को समझते हैं। आराधना कर सकते हैं।	क्षमा दें। आराधना करने के लिए प्रोत्साहित करें।

यीशु प्रेम करता है: संसार से

विकास चरण तीन	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	रचनात्मक होते हैं। एक काम पर एक समय में 15 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं। अच्छी स्मरणशक्ति होती है। पढ़ने, लिखने, और बोलने के कौशल दिखते हैं।	दोहराएँ। सीखने के रचनात्मक तरीके (नाटिका, चित्रकारी, संगीत, और खेल) अपनाएँ। नए कौशलों का अभ्यास करें। स्मरणशक्ति बढ़ाने के खेल खेलें। केवल वही समझ सकते हैं जिन्हें वे देख सकते हैं, स्पर्श कर सकते हैं या सूँघ सकते हैं। प्रत्येक 15 मिनट के बाद गतिविधि बदलें।
शारीरिक	क्रियाशील होते हैं। आवाज़ और शरीर पर नियन्त्रण होता है। ताल को पहचानते हैं।	तेज़ शारीरिक गतिविधियाँ (नृत्य और दौड़ना) तथा धीमी शारीरिक गतिविधियाँ (पढ़ना और लिखना) बारी-बारी करवाएँ। गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें। नए कौशलों का अभ्यास करें। सीखने की गतिविधियाँ दें।
भावात्मक	वयस्कों से स्वीकृति चाहते हैं। संयम विकसित करते हैं।	सुरक्षित और मज़ेदार माहौल तैयार करें, ऐसी मज़ेदार गतिविधियाँ करवाएँ जिन्हें आसानी से किया जा सके। जिम्मेदारी लेने के अवसर दें। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	क्षमा को समझते हैं। परमेश्वर के बारे में उनके अपने मत और प्रश्न होते हैं।	क्षमा दें और क्षमा के उदाहरण दें। निर्देशित बाइबल अध्ययन दें।

विकास चरण चार	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	प्रेरणादायी उदाहरणों के द्वारा, समस्याओं तथा प्रश्नोत्तरियों का समाधान करने के द्वारा और रचनात्मक तरीकों के द्वारा सीखते हैं। एक काम पर एक समय में 30 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं।	दोहराएँ। लिखने, बोलने, शोध करने और निर्माण करने की गतिविधियाँ दें। विभिन्न विचारों, अर्थों और धारणाओं को समझ सकते हैं। प्रत्येक 30 मिनट के बाद गतिविधि बदलें।
शारीरिक	माँसपेशियों पर नियन्त्रण होता है। क्रियाशील होते हैं।	तेज़ शारीरिक गतिविधियाँ (नृत्य और दौड़ना) तथा धीमी शारीरिक गतिविधियाँ (पढ़ना और लिखना) बारी-बारी करवाएँ। गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें।
भावात्मक	वयस्क का दर्जा चाहते हैं। भावुक होते हैं। आराधना के 'नायक' ढूँढते हैं।	चुनौतीपूर्ण किन्तु कम कठिन जिम्मेदारियाँ दें। प्रेम, सहयोग और प्रोत्साहन दें। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	मोक्ष को समझते हैं। सही और गलत के बारे में उनके अपने मत होते हैं।	सुसमाचार के सत्य की स्पष्ट प्रस्तुति करें। निर्णय लेने में निर्देशन दें।